(42)ट्रेड–स्वास्थ्य देखभाल

कक्षा–12

प्रथम प्रश्नपत्र

## चिकित्सीय अभिलेख तथा अभिलेखीकरण

पूर्णांक : 60

इकाई–1 10 अंक

- निर्णय विश्लेशण में अभिलेखीकरण का महत्व रोगी की दशा के अभिलेखीकरण के आधार पर आगे की कार्यवाही के सम्बन्ध में निर्णय लेना।
- गुणवत्तापूर्ण सेवाओं में अभिलेखीकरण का महत्व।

इकाई–2 10 अंक

- चिकित्सीय अभिलेखों को सहेजने में गोपनीयता का महत्व।
- चिकित्सीय अभिलेखों में तिथि तथा समय नोट किये जाने का महत्व (विशेष रूप से रोगी की मृत्यु से जुड़े कानूनी मुद्दों में)

इकाई–3 10 अंक

- **LAMA (Leaving Against Medical Advice)** की व्याख्या।
- पारी ड्यूटी (Shift Duty) बदलने पर नोट्स का महत्व (एक पारी में एकत्र सूचना को दूसरी पारी के कर्मचारी को सौंपना)
- रोगी के स्थानान्तरण तथा मुक्त करने (discharge) सम्बन्धी नोट्स का उद्देश्य।

इकाई–4 10 अंक

- चिकित्सालयों द्वारा सहेजे जाने वाले अभिलेख तथा चिकित्सा विधिक (medicolegal) एवं यातायात दुर्घटना के मामलों में इनका महत्व।

इकाई–5 10 अंक

- सामान्य ड्यूटी सहायक के लिये समय प्रबन्धन का महत्व।
- समय प्रबन्धन के लिये कार्य की प्राथमिकता तय करना तथा इसकी तकनीके।

इकाई–6 10 अंक

- तनाव की परिभाषा तथा चिकित्सालय के वातावरण में तनाव प्रबन्धन के तरीके।
- सामान्य ड्यूटी सहायक के लिये आवश्यक तनाव प्रबंधन कौशल

## द्वितीय प्रश्न पत्र

## वृद्धों तथा शिशुओं की देखभाल में सामान्य ड्यूटी सहायक की भूमिका

पूर्णांक : 60

इकाई–1 10 अंक

- वृद्धावस्था के परिचय के साथ विभिन्न आयु समूहों का वर्णन।
- वृद्धावस्था में मानव शरीर में आने वाले परिवर्तन।

इकाई–2 10 अंक

- वृद्धजनों की मूलभूत आवश्यकताएं तथा उनकी देखभाल किये जाने के कारण।
- वृद्धजनों की सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यकताएँ

इकाई–3 10 अंक

- वृद्धजनों की भोजन एवं तरल पदार्थ सम्बन्धी आवश्यकताएँ (पोषण)
- वृद्धजनों को बेहतर तरीके से भोजन कराने के लिये आवश्यक बातें।

इकाई–4 10 अंक

- वृद्धावस्था में सामान्य स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे– माँसपेशियों एवं हड्डियों की कमजोरी, चलने में कठिनाई, स्मृतिह्रास आदि।
- त्वचा, नाखून, दृष्टि, श्रवण सम्बन्धी समस्याएँ।

इकाई–5 10 अंक

- 18 वर्ष से पूर्व की विभिन्न अवस्थाएं जैसे नवजात शिशु शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था।
- शिशुओं तथा बालकों की अधिगम क्षमताओं (learning abilities) की विभिन्न अवस्थाएँ।

इकाई–6 10 अंक

- नवजात शिशुओं एवं बालकों की पोषण एवं जलयोजन (hydration) सम्बन्धी आवश्यकताएँ।
- निम्न के संदर्भ में बालकों की सुरक्षा आवश्यकताएँ– आग, गिरना, नुकीली चीजें, छोटे खिलौने, छोटे खाद्य पदार्थ जैसे चना मूँगफली आदि जो बच्चे नाक या कान में डाल लेते है।

## तृतीय प्रश्न पत्र
## जैव अपशिष्ट प्रबन्धन

पूर्णांक : 60

इकाई–1 10 अंक

- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट।
- चिकित्सालय कर्मियों तथा सामान्य जनों के संदर्भ में चिकित्सालय अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व।
- पर्यावरण संरक्षण में जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबन्धन की भूमिका।

इकाई–2 10 अंक

- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट के स्त्रोत।
- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों की पहचान–वार्ड तथा गहन चिकित्सा इकाई (ICU), ऑपरेशन कक्ष, प्रयोगशाला (पैथालॉजी, एक्स–रे)

इकाई–3
10 अंक

- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट के निस्तारण की विधियाँ।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा संस्तुत वर्ण कूट मापदण्डों ( Colour coding Criteria) के अनुरूप अपशिष्ट के वर्ण कूअ मापदण्ड का महत्व।

इकाई–4 10 अंक

- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट के परिवहन ( transportation) की प्रक्रिया।
- निम्न के निस्तारण में अन्तर।
- (क) सामान्य अपशिष्ट – खाद्य पदार्थ, कागज, पॉलीथीन, दवाओं के रैपर (Wrapper)
- (ख) जैव चिकित्सीय अपशिष्ट

इकाई–5 10 अंक

- चिकित्सालय अपशिष्ट प्रबंधन समिति के कार्य।
- जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन में चिकित्सा अधीक्षक तथा मैट्रन की भूमिका।

इकाई–6 10 अंक

- चिकित्सालय अपशिष्ट प्रबंधन हेतु विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं इसका महत्व।

## चतुर्थ प्रश्न पत्र
## शल्य चिकित्सा कक्ष

पूर्णांक : 60

इकाई–1 10अंक

- शल्य चिकित्सा कक्ष का वर्णन।
- शल्य चिकित्सा कक्ष योजना के उद्देश्य।

इकाई–2 10अंक

- शल्य चिकित्सा कक्ष के विभिन्न क्षेत्र (clean zone)तथा उनका महत्व।
  (क) स्वच्छ क्षेत्र ( clean zone)
  (ख) गंदा गलियारा (dirty corridor)

इकाई–3 10अंक

- शल्य चिकित्सा कक्ष के लिये आवश्यक विभिन्न वर्गों ( categoriè) के कर्मचारी।

- शल्य  चिकित्सा कक्ष में शल्य चिकित्सा तकनीषियन, नर्स तथा सामान्य ड्यूटी सहायक के कार्य।

इकाई–4 10अंक

- शल्य चिकित्सा कक्ष में उपकरणों के रख–रखाव की प्रकिया।
- शल्य  किया (surgery) के पूर्व
- शल्य किया के पष्चात

इकाई–5 10अंक

- सूची प्रबंधन ( inventory management) के संदर्भ में शल्य चिकित्सा कक्ष के रख–रखाव की नीति तथा प्रकिया।
- शल्य चिकित्सा कक्ष में शल्य किया के प्रकरणों ( cases) तथा जीवाणुनाषन ( sterelization) का

इकाई–6 10 अंक

- शल्यक्रिया से पूर्व रोगी को तैयार करने में सामान्य ड्यूटी सहायक के कार्य।
- कलाई पट्टी ( wrist band) का महत्व तथा पट्टी पर अंकित की जाने वाली सूचनाएँ।
- शल्यक्रिया के बाद की अवधि में सामान्य ड्यूटी सहायक द्वारा रोगी की देखभाल

## पंचम प्रश्न पत्र

## आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया में सामान्य ड्यूटी सहायक की भूमिका

पूर्णांक : 60

इकाई–1 10अंक

- आपदा एवं इसके प्रकार।
- आपदा प्रबंधन का महत्व।

इकाई–2 10अंक

- आपदा प्रबंधन के विभिन्न चरण, आपदा प्रबंधन संबंधी पद तथा चेतावनी संकेतक।

इकाई–3 10अंक

- आपातकालीन प्रतिकिया दल (Emergency Response Team-ERT) का संगठन तथा भूमिका।
- ERT के सदस्य।
- ERT द्वारा प्रयोग किये जाने वाले उपकरण।

इकाई–4 10अंक

- बचाव तथा निष्क्रमण (evacuation)अभ्यास के लाभ।
- बचाव तथा निष्क्रमण अभ्यास की विधियाँ

इकाई–5 10अंक

- आग की घटनाओं में बचाव की विधियाँ।
- आग से निपटने के लिये चिकित्सालय में लगाए जाने वाले उपकरण।
- चिकित्सालय में आग के कारण तथा आग बुझाने की विधियाँ।

इकाई–6 10अंक

- भूकम्प तथा बहुमंजिला इमारत के ढहने की स्थिति में समाज के लिये खतरे तथा हानियाँ।
- बहुमंजिला आवासीय इमारतों में भूकम्प से बचने के लिये पहले से तैयारी करने के उपाय।

## प्रयोगात्मक कार्य

पूर्णांक : 400

- चिकित्सालय में सुरक्षित रखे जाने वाले अभिलेखों के देखने/जानकारी प्राप्त करने के लिये चिकित्सालय का भ्रमण।
- OPD वार्ड, शल्य चिकित्सा कक्ष (OT) तथा ICU में रखे जाने वाले अभिलेखों का प्रतिदर्ष (sample copy) बनाना।
- मनुष्य की विभिन्न अवस्थाओं को प्रदर्षित करने के लिये चार्ट बनाना।
- वृद्ध जनों की सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की फाइल बनाना।
- बच्चों की सुरक्षा आवश्यकताओं को प्रदर्षित करने के लिये चित्र बनाना/चिपकाना।
- जैव अपशिष्ट प्रबंधन हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित Colour Coding Criteria की फाइल बनाना।
- सामान्य अपशिष्ट तथा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट के निस्तारण में अन्तर प्रदर्षित करने के लिये चार्ट बनाना।
- शल्यक्रिया कक्ष की कार्यप्रणाली देखने के लिये निकट के चिकित्सालय का भ्रमण करना।
- शल्यक्रिया कक्ष में कर्मचारियों के कर्तव्यों का चार्ट बनाना।

– प्रयोगात्मक फाइल में रिस्ट बैण्ड चिपकाना और इसका वर्णन करना।

– निकट के अग्निशमन केन्द्र (Fire Station) का भ्रमण करना।

– आपदा से बचाव की Mock Drill तथा ERT की भूमिका।

– बचाव कार्य में आवश्यक उपकरणों की सूची बनाना।

– ऑपरेशन कक्ष में उपकरणों की देखभाल– विभिन्न पदार्थों से बने उपकरण जैसे प्लास्टिक की suction tube, धातु के बने शल्य क्रिया उपकरण, रूई, गॉज, पट्टी इत्यादि का रखरखाव तथा इन्हें विशाणुहीन/विसंक्रमित (sterilize) करने सम्बन्धी प्रयोग।

– शल्यक्रिया से पूर्व मरीज को शल्यक्रिया हेतु तैयार करना–

– चिकित्सालय के कपड़े पहनाना।

शल्यक्रिया वाले अंग की शेविंग करना।

– intravenous cannula फिक्स करना।

– उपरोक्त से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

– छात्र द्वारा Wrist band पर आवश्यक सूचनाएं लिखना।

– आपदा प्रबंधन– आग, भूकम्प, इमारत गिरने की स्थिति में छात्रों द्वारा बचाव कार्य का प्रदर्शन।

& WHO ds Colour Coding मानकों के अनुसार विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट पदार्थों को अलग करना।

**व्यावसायिक वर्ग**

अधिकतम अंक–400 न्यूनतम अंक–200 समय

**वाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन–200 अंक** **निर्धारित अंक**

(क) **दो बड़े प्रयोग**–बड़े प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से एक–एक (2 × 40)। 80 अंक

(ख) **दो छोटे प्रयोग**–छोटे प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से एक–एक (2 × 20)। 40 अंक

(ग) मौखिकी प्रयोगों की सूची के आधार पर। 40 अंक

(घ) प्रैक्टिल नोटबुक एवं विभिन्न प्रपत्रों का संकलन। 40 अंक

**आन्तरिक परीक्षक द्वारा मूल्यांकन–200 अंक**

**(क) सत्रीय कार्य** 100 अंक

**सत्रीय कार्य विभाजन–**

(i) उपस्थिति अनुशासन 10 अंक

(ii) लिखित कार्य 20 अंक

(iii) दो वर्षों में पांच टेस्ट लिए जायेंगे (5 × 10)। 50 अंक

(iv) मौखिकी 20 अंक

**(ख)** औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक भ्रमण द्वारा प्रदत्त श्रेणी के आधार पर 100 अंक

## व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के सम्बन्धित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे, शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय होंगे।